हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 मार्च 2025

12 साई व आईएमए ने निकाली फिट इंडिया संडे ...

12 पशुपालन और पराली प्रबंधन में सुधार कर किसानों की ....

GD GOENKA PUBLIC SCHOOL
Bhiwani
NURTURING EVERY CHILD'S UNIQUE DREAMS AND POTENTIAL
Address: 5th Km Milestone, Rohtak-Bhiwani Road, Bhiwani
Contact: 9912082000
9912084000
Your Child Can Be Anything. Let it be.

खबर संक्षेप

पानी की टंकी का उद्घाटन 18 को

भिवानी। जीतूवाला जोहड़ स्थित श्याम बाग श्मशान भूमि में पांच हजार लीटर क्षमता की सीमेंट से निर्मित पानी की टंकी का निर्माण करवाया गया है, ये निर्माण कार्य समाजसेवी जवाहर मिताथलिया एवं उनके परिवार द्वारा उनकी माता स्वर्गीय लक्ष्मी देवी कुकड़ेजा व पिता स्वर्गीय ज्ञानीराम कुकड़ेजा की यादगार में करवाया हैं। नवनिर्मित पानी की टंकी का उद्घाटन जोगीवाला शिव मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज के सानिध्य में नगर परिषद चैयरमेन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह 18 मार्च को सुबह 11 बजे करेंगे।

एक शाम अमर शहीदों के नाम कार्यक्रम 23 को

भिवानी। अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के पावन बलिदान दिवस के अवसर पर शहीद स्मृति सभा भिवानी के स्वर्ण जयंती महोत्सव पर युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट भिवानी द्वारा 50वां विशाल राष्ट्रीय कवि सम्मेलन 23 मार्च को सांय तीन बजे हनुमान जोहड़ी धाम स्वामी विवेकानन्द सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संस्थापक भागीरथ शर्मा मराठा, अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल, महामंत्री डा. पुरुषोत्तम पुष्प ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रमुख उद्योगपति डॉ. धर्मवीर सिंह ढिल्लो होंगे।

बेटी की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से एक 15 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। नाबालिक के पिता की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार लापता बेटी के पिता ने बताया कि उसकी चार बेटियां हैं और सबसे बड़ी बेटी 15 वर्ष की है। जो बिना बताए घर से कहीं चली गई।

गाड़ी से टक्कर मारने का आरोपी गिरफ्तार

बहल। पुलिस ने बहल में मकान के सामने खड़े दो व्यक्तियों को जान से मारने की नीयत से गाड़ी से टक्कर मारने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। विक्रम ने थाना बहल पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 दिसम्बर को बहल में एक मकान के सामने सुखबीर के साथ खड़ा हुआ था तभी आरोपी विजेंद्र बोलरो गाड़ी में अपने अन्य साथियों के साथ आया और उन दोनों को जान से मारने की नीयत से उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी थी। इसी मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान विजेंद्र पुत्र सतबीर निवासी वार्ड नंबर- 15 बहल के रूप में हुई है।

सुजीत का चयन राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए

चरखी दादरी। इमलोटा निवासी पहलवान सुजीत कलकल का सीनियर एशिया कुश्ती चैंपियनशिप में चयन हो गया हैं। यह चैंपियनशिप 25 से 30 मार्च तक ओमान के जार्डन में आयोजित होगी। जिला रेसलिंग एसोसिएशन जरनल सेक्रेटरी योगेश इमलोटा ने बताया कि नई दिल्ली के आईजी स्टेडियम में ट्रायल आयोजित की गई थी, जिसमें 65 किलोग्राम में सुजीत ने अपनी चुनौती रखी थी।

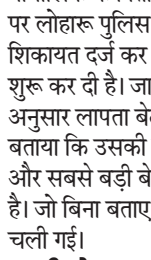

बवानीखेड़ा में दो जगह बहा खून, कई घायल, भिवानी रेफर किया

सोशल मीडिया पर चेयरमैन के साथ पोस्ट डालने पर दो गुटों में मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा नगर पालिका चुनाव संपन्न होने पश्चात चेयरमैन के साथ एक पक्ष द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने पर दूसरे पक्ष को ये बात नागवार गुजरी और दो गुट आपस में भीड़ गए। दोनों गुटों में लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों को चोटें आई। जिन्हें बवानी खेड़ा के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया जहां कुछ को अधिक चोटें आने के चलते भिवानी रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर होली पर अपने घर लौट रहे मजदूर की पिकअप डाला चालक व सहयोगी ने सुनसान जगह पर ले जा कर लूट लिया। बाद में अकाउंट में दस हजार रुपये न डालने पर आरोपियों ने युवक को जमकर पीटा। सिर व मुंह पर लौहे की राड मारकर लहुलुहान कर दिया।

बताया जाता है कि बवानी खेड़ा के वार्ड एक से किरण, पूजा आदि नगर पालिका चुनावी मैदान में उम्मीदवार थे जिसमें किरण ने विजय हासिल की। विजय पश्चात नगर पालिका चेयरमैन के साथ सोशल मीडिया पर एक पक्ष द्वारा पोस्ट डालने पर दूसरे पक्ष द्वारा रविवार को पहले गुट हमला कर दिया। जिसमें दोनों पक्षों के दर्जनों महिलाओं व पुरुषों को चोटें आई जिन्हें बवानी खेड़ा के नागरिक अस्पताल में दाखिल किया गया। जिसमें आशा, बिरमा, सरोज, बब्बू, रेणू, पिंकी, बीना, लाल सिंह, मोलूराम, राज कुमार, भारत, अमर सिंह, रोशन, सन्नी व सतपाल आदि शामिल हैं।

बवानीखेड़ा। झगड़े में घायल युवक अस्पताल में उपचाराधीन। फोटो : हरिभूमि

पांच को सिर में चोटें

इस बारे में नागरिक अस्पताल के डॉ. नीरज ने बताया कि करीबन 15 घायलों की एमएलआर काटी गई है। सभी को भिवानी के सामान्य अस्पताल में रेफर किया गया है। चार पुरुषों और एक महिला की सिर में अधिक चोटें आने के कारण हालत ज्यादा गंभीर है।

भाइचारा बनाकर रखें

इस बारे नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि शहर की जनता ने उन्हें चुना है। सभी 36 बिरादरी के लोग उनके अपने हैं। वे सभी से और सभी उनसे मिल सकते हैं। सभी को भाईचारा बनाए रखना चाहिए।

■ झगड़े में आशा, बिरमा, सरोज, बब्बू, रेणू, पिंकी, बीना, लाल सिंह, मोलूराम, राज कुमार, भारत, अमर सिंह, रोशन, सन्नी व सतपाल आदि को आई चोंटे

पिकअप डाला चालक व सहयोगी ने युवक को लूटकर ,खेतों में फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

- राड से मुंह व सिर फोड़ा, एसएचओ का फोन आया आरोपी भागे
- बवानीखेड़ा निवासी रमेश दुलहंडी वाले दिन काम से छुट्टी करके देर शाम खानक से बवानीखेड़ा के लिए हुआ था रवाना

होली पर अपने घर लौट रहे एक मजदूर की पिकअप डाला चालक व सहयोगी ने सुनसान जगह पर ले जा कर लूट लिया। बाद में अकाऊंट में दस हजार रुपये न डालने पर आरोपियों ने युवक को जमकर पीटा। सिर व मुंह पर लौहे की राड मारकर लहुलुहान कर दिया। बाद में परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पीड़ित के फोन पर फोन किया तो आरोपियों ने उसको बातें नहीं करनी दी। बाद में दोबारा पुलिस का फोन आने पर आरोपी उसको अधमरा करके खेतों में फेंक कर फरार हो गए। यह वाक्या रात करीब दस बजे के आसपास का है।

जानकारी के अनुसार बवानीखेड़ा निवासी रमेश दुलहंडी वाले दिन काम से छुट्टी करके देर शाम खानक से बवानीखेड़ा के लिए चल दिया। पीड़ित रमेश ने बताया कि वाहन न मिलने पर वह एक क्रेशर से भरी गाड़ी में बैठ कर हांसी पहुंच गया। वह काली देवी चौक पर पहुंचा और वहां पर बवानीखेड़ा के लिए वाहन का इंतजार करने लगा। इसी दौरान पिकअप डाला वाहन आया। उसमें चालक सहित दो युवक बैठे हुए थे। उन्होंने रमेश को बैठा लिया और बवानीखेड़ा की तरफ चल पड़े। थोड़ा सा आगे चलते ही एक युवक ने उससे कहा कि दस हजार रुपये देने होंगे। उसने बताया कि उसके पास दस हजार रुपये नहीं है। उसके पास तो केवल पांच हजार रुपये है। आरोपियों ने उससे पांच हजार रुपये छीन लिए और अपने वाहन को सुनसान जगह पर ले गए। आरोपियों ने गाड़ी के शीशे बंद कर लिए। उसके मुंह पर पेचकस से वार किया। मुंह पर मुक्के मारकर होठ फोड़ दिए। उनसे खून बहने लगा। इसी दौरान पीड़ित के फोन पर घर से फोन आ गया तो आरोपियों ने कहा कि घर से ऑन लाइन पैसे डलवा। पीड़ित ने पत्नी से पैसे डालने के लिए कहा तो पत्नी ने पैसे न होने की बात कह कर इंकार कर दिया। इसी दौरान पीड़ित के परिजनों ने इस बारे में थाने में सूचना दी। पुलिस ने पीड़ित के मोबाइल फोन पर सम्पर्क किया तो आरोपियों ने उसको बोलने नहीं दिया। उसके बाद वे उसके साथ मारपीट करते रहे। आरोपियों ने फिर से पत्नी से कह कर खाते में पैसे ट्रांसफार करवाने की कही,लेकिन इसी दौरान फिर से पुलिस का फोन आ गया। आरोपियों को लगा कि अगर दूसरी बार फोन आया है तो हो सकता है पुलिस मौके पर न पहुंच जाए। इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित के सिर पर राड़ मार कर बेसुध कर दिया और फरार हो गए। करीब एक घंटे बाद पीड़ित को होश आया और वह चला गांव पपोसा पहुंच गया। वहां से अपने घर पर फोन किया और परिजनों को बुलाया। उसके बाद परिजन उसके लेकर गए और उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

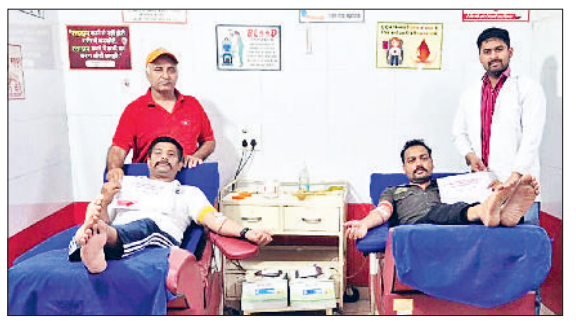

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाते रक्तवीर राजेश डूडेजा। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान महादान, इससे बड़ा नहीं कोई पुण्य नहीं

भिवानी। रक्तदान किसी के लिए भी बेहद सामान्य बात हो सकती है, लेकिन जरूरतमंद के लिए ये जिंदगी और मौत का सवाल होता है। रक्त की जरूरत कभी भी किसी को भी पड़ सकती है। लिहाजा हर किसी को इसकी अहमियत समझनी चाहिए। हर किसी का रक्तदान किसी न किसी को नई जिंदगी देता है। रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती और न ही रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मनुष्य से ही रक्तदान रक्त की पूर्ति हो सकती है, इसलिए रक्तदान करना जरूरी है। आज भिवानी के निजी अस्पताल में दाखिल दुर्घटना ग्रस्त युवक के लिए दो यूनिट ए पॉजिटिव फ्रेश रक्त की जरूरत पड़ी तो भिवानी के रक्तवीरों ने बिना देर किए ब्लड बैंक पहुंचकर निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। सक्रिय रक्तदाता जितेन्द्र व विकास शर्मा ने रक्तदान कर मरीज की जिंदगी बचाने का सराहनीय कार्य किया। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने सभी रक्तवीरों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान करने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। रक्तदान से दिल की सेहत में सुधार होता है, वजन कंट्रोल में रहता है, कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम कम होता है। रक्तदान से न सिर्फ आपके शरीर पर बल्कि दिमाग पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है। यही वजह है कि लोगों को इसके बारे में जागरुक करना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर लेब टेक्नीशियन राहुल तंवर, अमरजीत व नरेंद्र पुनिया ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

शिविर में 30 यूनिट रक्त किया दान

भिवानी। सैनी कल्याण परिषद द्वारा शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरू व सुखदेव के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में महम गेट स्थित अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए डॉ. कुलदीप सैनी ने कहा कि स्वस्थ इंसान को रक्तदान जरूर करना चाहिए, जिससे वो स्वयं तो स्वस्थ रहता ही है एवं दूसरों की जान भी बचाता है। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल के सीएमओ डॉ. रघुबीर शांडिल्य एवं विशिष्ठ अतिथि चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल की ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. मोनिका सांगवान उपस्थित हुई। शिविर के सफल आयोजन में प्रधान भूपसिंह सैनी, कोषाध्यक्ष राजकुमार सैनी, महासचिव सुरेन्द्र सैनी, ठेकेदार राधेश्याम सैनी, आजाद सैनी, एडवोकेट निरंजन सैनी, एडवोकेट दीपक सैनी, मनोज, सुनील सैनी, सुरेश सैनी, सुरजीत सैनी, बलवंत सैनी, धर्मेंद्र, नवनीत, यशपाल, नरेश सोनी, ठाकुर शुभसिंह, प्रमोद, योगेश व दीपक आदि उपस्थित रहे।

जय किसान आंदोलन की बैठक में 143 ब्लॉक अध्यक्ष बनाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

रविवार को भारत जोड़ो भवन चरखी दादरी में जय किसान आंदोलन की महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया। बैठक में हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं ब्लॉकों से आए सक्रिय सदस्यों ने सहभागिता की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जय किसान आंदोलन हरियाणा इकाई को और अधिक संगठित, मजबूत तथा प्रभावशाली बनाना रहा। बैठक के दौरान संगठन को विस्तार देने की दिशा में ठोस कदम उठाए। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत कई ब्लॉक स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। साथ ही लक्ष्य निर्धारित किया कि हरियाणा प्रदेश के सभी 143 ब्लॉकों में शीघ्र ही अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि संगठन की पहुंच गांव-गांव तक सशक्त रूप से हो सके।

भिवानी। बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा करते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इस अवसर पर जय किसान आंदोलन के उपाध्यक्ष दीपक लाम्बा ने कहा कि हरियाणा में जय किसान आंदोलन की टीम को मजबूत करने का संकल्प लिया गया है, ताकि हम किसानों के मुद्दों पर सही, प्रभावी और कुशलता से काम कर सकें।

नीरज फोगाट का उत्कृष्ट प्रदर्शन, स्वर्ण पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

■ ऑल इंडिया गोल्ड मेडलिस्ट सपना (साई भिवानी), वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप मेडलिस्ट प्रांजल (एनसीओई रोहतक) और निकिता (साई हिसार) को हराकर मनवाया लोहा

कलियाणा रोड स्थित श्योनाथ नम्बरदार बॉक्सिंग एकेडमी की प्रतिभाशाली मुक्केबाज नीरज फोगाट ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नीरज ने हिसार के तोशम रोड स्थित अखिल कुमार बॉक्सिंग क्लब में हरियाणा बॉक्सिंग संघ द्वारा 8वीं एलाइट वूमन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप की ट्रायल में 65 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की है।

नीरज फोगाट ने अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ये साबित कर दिया कि मेहनत एवं लग्न से हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में नीरज ने तीन मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को मात देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने ऑल इंडिया गोल्ड मेडलिस्ट सपना (साई भिवानी), वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप मेडलिस्ट प्रांजल (एनसीओई रोहतक) और निकिता (साई हिसार) को हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। एकेडमी के मुख्य कोच कप्तान सिंह ने सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि नीरज फोगाट अब 21 से 27 मार्च तक गुट्टा बुधा विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में आयोजित 8वीं एलाइट वूमन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह जीत एकेडमी और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और हमें उम्मीद है कि नीरज आने वाले समय में और भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगी। नीरज की शानदार उपलब्धि पर उनकी कोच नेहा सांगवान, अकेडमी के मुख्य कोच कप्तान सिंह, संस्थापक मीरसिंह सांगवान मन्दौला, सचिव मनोज मन्दौला, अधिवक्ता देवेन्द्र चाहार आदि ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी।

पहली,दूसरी व तीसरी के प्रश्नपत्र एप पर तो चौथी व पांचवीं के मिलेंगे कैलेस्टर हेड पर

प्राइमरी क्लास के बच्चों की परीक्षा आज, तैयारियां मुक्कमल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पूरे साल पढ़ाने के बाद अब बच्चों के ज्ञान जांचने की बारी आई है। मिडल से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक की क्लासों के बच्चों की परीक्षा पहले से ही संचालित हो रही है,लेकिन सोमवार से पहली से लेकर पांचवीं कक्षा तक के बच्चों की परीक्षाओं का आयोजन होगा। पहली से लेकर तीसरी क्लास तक के बच्चों की शिक्षा विभाग द्वारा ऐप पर भेजे गए प्रशनपत्र को हल करवाया जाएगा। बच्चों द्वारा दिए गए सवालों के जवाब भी उसी एप पर लोड होंगे। दूसरी तरफ चौथी व पांचवीं कक्षा तक के बच्चों की परीक्षा के लिए प्रशनपत्र स्कूलों में बनाए गए कैलेस्टर हैड पर उपलब्ध होंगे। वहीं से प्रशन पत्र मिलेंगे। उसके बाद ही चौथी व पांचवी की परीक्षा शुरू हो पाएगी। बच्चों की सही ढंग से परीक्षा का आयोजन करवाए जाने के लिए स्कूल मुखियाओं ने शिक्षकों की डयूटी लगा दी है। साथ ही प्रशनपत्र मंगवाए जाने के लिए भी शिक्षकों की भी डयूटी लगाई जा चुकी है। ताकि समय पर परीक्षा शुरू करवाई जा सके।

एप के जरिए

शिक्षा विभाग ने भेजे निर्देशों में कहा है कि पहली से लेकर तीसरी क्लास तक के बच्चों की परीक्षा विभाग के एप के माध्यम से होगी। सोमवार सुबह शिक्षक की आईडी से एप को लोगिन किया जा सकेगा। उसके बाद शिक्षक जिस क्लास के बच्चों की परीक्षा करवाई जानी है। उस क्लास का प्रशनपत्र ऐप पर लोड कर लेगा। उसके बाद शिक्षक एक एक बच्चें को बुलाएगा और उससे ऐप पर लोड प्रशनपत्र के प्रशनों के जवाब जानेगा। बच्चों द्वारा दिए गए जवाबों को भी टीचर ऐप पर लोड करेगा। इसी तरह दूसरी तथा इसी तरह तीसरी क्लास का पेपर हल करवाए जाएंगे। यहां यह बताते चले कि दो दिन पहले शिक्षा विभाग ने ऐप पर पेपर हल करवाए जाने को लेकर शिक्षकों की एक डेमो क्लास लगवाई थी। ताकि बच्चों द्वारा दिए गए प्रशनों के जवाबों को आसानी से ऐप पर लोड किया जा सके।

रिजल्ट 29 मार्च को आएगा

शिक्षा विभाग ने भेजे निर्देशों में कहा कि 30 मार्च को रविवार तथा 31 मार्च को ईद उल फितर है। जिस वजह से इन दोनों दिनों को स्कूलों का अवकाश रहेगा। उसके बाद अगर एक अप्रैल को रिजल्ट निकाले तो उस दिन प्रवेश उत्सव मनाया जाता है। स्कूलों में दाखिला शुरू होगा। जिसके चलते शिक्षा विभाग ने 29 मार्च को ही पहली से पांचवीं कक्षा तक रिजल्ट घोषित करने का फरमान जारी किया है। 29 मार्च को रिजलट घोषित करने को लेकर ही स्कूल मुखियां तैयारियों में जुट गए हैं।

बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ हैं? इस चराचर जगत में जो कोई भी वस्तु है वह गणित के बिना नहीं है/ उसको गणित के बिना समझा नहीं जा सकता।

- श्रीनिवास रामानुजन

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी।

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

अहंकार

दिव्या ने ससुराल का घर छोड़ा और किराए पर टू-रूम सैट लेकर रहने लगी। दोनों बच्चे और पति मजबूर हुए और उसके साथ रहने को चले आए। पति का नाम शैलेंद्र था। उसने सोचा-'दिव्या की जिद अलग रहने की है तो यही ठीक, घर का क्लेश तो मिटेगा?' उसे पत्नी के साथ रहना पड़ा। दोनों बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ने लगे। फीस का जिम्मा शैलेंद्र पर था।

दिन बीतने लगे लेकिन दिव्या का अहंकार खत्म नहीं हुआ। शैलेंद्र अपने माता-पिता से मिलने चला जाए तो क्लेश, बच्चों को दादा-दादी के पास ले जाए तो कलह। उसने दिव्या को बहुत समझाया लेकिन वह नहीं बदली।

शैलेंद्र दो बहनों का इकलौता भाई था। दोनों बहनें शादीशुदा थीं और अपनी ससुराल में उन्हें कोई कष्ट भी नहीं था। लेकिन बूढ़े और परेशान माँ-बाप की फिक्र में घुली जा रही थी। भाई-भाभी को समझाने के अनेक प्रयास हुए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक रोज, शैलेंद्र माता-पिता से मिलने गया तो रात पत्नी के पास वापस नहीं पहुँचा। अगले दिन, सुकून की तलाश में वह कहीं और चला गया। पत्नी की तरफ से उसका मन खिन्न हो चुका था। पति घर नहीं लौटा तो दिव्या को चिंता हुई। पन्द्रह-बीस दिन बीत गए शैलेंद्र नहीं आया।

बच्चों के स्कूल से क्लास टीचर ने फीस का पुर्जा बनाकर बड़े लड़के की कॉपी में रख दिया। दिव्या ने पुर्जा देखा तो पैसों की चिंता हुई। पति को फोन मिलाया, फोन स्विच ऑफ था। ऐसे कई दिनों तक वह फोन मिलाती रही लेकिन पति से कोई बात नहीं हुई। शैलेंद्र ने फोन उठाया ही नहीं। थक-हारकर दिव्या ने सास को फोन मिला दिया। सास ने 'हैलो' कहा तो दिव्या के चुभन से भरे तीखे बोल सुनाई पड़े- 'कहां है वह, पन्द्रह-बीस दिन से कुछ अता-पता नहीं है। बच्चों की फीस और मकान का रैंट देना है, क्या करूँ?'

सास बोली- 'घर आकर पैसे ले जा, उसका तो हमें भी पता नहीं। तुम लोग जब से घर छोड़कर गए हो, हमें किसी की कुछ खबर नहीं है। नहीं जानते कि तुम कैसे हो और कहाँ रह रहे हो? यही तो कलह है कि तुम आपसी तकरार खत्म करना क्यों नहीं चाहते? तुम उसकी गलती निकालती हो और वह तुम्हारी! सामान बाँधों और बच्चों को लेकर घर लौट आओ। उसका जब मन चाहेगा तो लौटकर आ जाएगा।'

'नहीं, एक बार जिस घर को छोड़कर चली आई, अब वहाँ मुझे नहीं आना।' दिव्या का अहम जाग उठा था। सास समझाने लगी- 'पति से बनाकर रखने में ही भलाई है। तुम्हें सास-ससुर में कमी दिखती है तो पति के अनुसार ही ढल जाओ! उसकी हो-कर ही रहने लगो? घर से दूसरे नगर इसीलिए गए थे कि चैन से रहोगे। अब पति से भी नहीं बन रही तो हमारा इसमें कहाँ दोष है।'

'दोष तो तुम सबों में है। मेरे कहे अनुसार चलोगे तो ठीक, नहीं तो तुम्हें भी चैन से रहने नहीं दूँगी। मैं नहीं चाहती कि तुम्हारे बेटे के साथ रहूँ लेकिन मेरी मजबूरी है। बच्चों को लेकर जाऊँ कहाँ, और बच्चों को मुझसे छीनने की सोचना भी मत। चाहे कैसे भी, मुझमें हिम्मत है। उन्हें किसी तरह पाल ही लूँगी। जिन के पिता मर जाते हैं, बच्चे तो उनके भी पलते हैं।'

'बड़ों से बात करने का सलीका समझ लो, ओछी सोच घर बिगाड़ देती है। मानती हूँ, मेरा जाया भी बददिमाग है। उसे भी आगे के बारे में कुछ नहीं सूझ रहा लेकिन कम तुम भी नहीं हो ! तुम पर जब क्रोध हावी होता है, तुम चुडैल दिखाई देती हो। और गालियाँ बकती हो तो असहनीय हो जाता है। अभी वक्त है, सुधर जाओ। अपना घर खराब मत करो। अहंकार का त्याग कर डालो और गृहस्थ बनकर जीना सीख लो?'

दिव्या चींखी- 'ना घर बसाऊँगी, ना तुम्हारे बेटे को तलाक दूँगी। वो रहे कहीं भी, मुझे उसकी परवाह नहीं। उसके साथ अब मेरा निबाह नहीं होगा। तुम्हारे भी नाक में दम रखूँगी और उसकी बहनों और रिश्तेदारों तक को परेशान करती रहूँगी। मुझे ढेरों तकलीफें उठानी पड़े लेकिन उसे अब इस घर में घुसने नहीं दूँगी। प्राइवेट स्कूल से सरकारी स्कूल में बच्चों को चाहे भर्ती कराना पड़े, लेकिन तुम्हारे लिए दिल में रहम नहीं रखूँगी। ऐसा पति जो मेरी ना सुने, मुझे नहीं चाहिए।'

शैलेंद्र सरकारी स्कूल में टीचर थे। कुछ दिन बीते कि एक रोज दिव्या शैलेंद्र के स्कूल पहुँच गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही।

इत्तफाक कि उस दिन शैलेंद्र स्कूल नहीं आया था। उसकी जुबान खुल गई। प्रिंसिपल, स्टाफ के टीचर्स और एक-आध बाहरी लोगों के सामने वह खूब दहाड़ी। झूठे-सच्चे आरोप लगाकर उसने पति की इज्जत को तार-तार कर दिया। लोग हैरान थे, उन्होंने तो सोचा भी नहीं था कि शैलेंद्र की पत्नी इतनी झगड़ालू और बदतमीज है। हालात में बजाए सुधार होने के और खराबी आ गई।

प्रिंसिपल से दिव्या ने कहा- 'शैलेंद्र की तनख्वाह मेरे बच्चों के स्कूली बैंक खातों में ट्राँसफर कर दिया करें।'

प्रिंसिपल बोले- 'यह मेरे बस में नहीं, तनख्वाह तो शैलेंद्र के बैंक खाते में ही जाएगी।' दिव्या दहाड़ी- 'लफंगा है वह। पूरे महीने की तनख्वाह को आवारागर्दी में खर्च कर डालता है।' शैलेंद्र की पत्नी के मुख से यह सब कहने का किसी को यकीन नहीं हुआ। फिर बोलने के लहजे पर आश्चर्यचकित भी सभी थे। प्रिंसिपल ने दो टूक कह दिया- 'आप कुछ भी कहें, शैलेंद्र की तनख्वाह तुम्हें नहीं दी जा सकती। तुम्हारा आपसी मनमुटाव क्या है, हमें उससे कोई मतलब नहीं।'

'कोर्ट अगर कहे, तब भी नहीं?' दिव्या बोली। 'कोर्ट का निर्देश तो मान्य होगा। वहाँ से अगर आदेश हुआ, तो देखेंगे। आगे क्या होना है, क्या नहीं, यह तो समय ही तय करेगा?' प्रिंसिपल ने स्पष्ट कर दिया। उसका अहंकार बाहर आया- 'मेरे पिता पुलिस में अफसर हैं। झूठे-सच्चे दोष मढ़कर मैं उसके पूरे परिवार को कुटवा दूँगी। तब तो, तनख्वाह मेरे बच्चों के खाते में आएगी न?'

'नहीं, पुलिस के कहने से नहीं। कोर्ट अगर आदेश करे तो मुमकिन है। पुलिस के लिखे को हम नहीं मानेंगे। आपको इसके बारे में ज्ञान नहीं है। यह सरकारी महकमा है, यहाँ सब काम नियम के हिसाब से होते हैं।' प्रिंसिपल बोले।

'मैं पहले पुलिस में रिपोर्ट करती हूँ, फिर देखा जाएगा कि आप क्या मानेंगे और क्या नहीं। अब मुझे उसके साथ नहीं रहना है। हाँ, बच्चे पैदा किए हैं, मुझसे शादी की है, तो उसे खर्चा तो देना ही पड़ेगा?'

एक बुजुर्ग टीचर कहने लगे- 'शैलेंद्र से नहीं बनती तो अलग हो जाओ, तलाक ले लो। बच्चों को खुद पाल सकते हो तो ठीक, नहीं तो कस्टडी पिता पर छोड़ो।'

'ज्ञान मत बाँटो, मुझे जो करना है, वही मैं करूँगी। और शैलेंद्र आए तो उसे कह भी देना- 'आखिरी छोर तक पीछा नहीं छोड़ने वाली। तेरे माँ-बाप, तेरी बहनें और रिश्तेदारों तक को फँसाकर रहूँगी।' और दहाड़ती हुई वह चली गई।

शैलेंद्र और दिव्या क्रोध की अग्नि में ऐसे झुलसे कि चेहरे और अंतस पर झुलसने के निशान साफ दिखाई पड़ने लगे। शैलेंद्र के माँ-पिता ने स्वयं को निपूता मान लिया और घर-बार बेचकर किसी दूसरे शहर में जा बसे। दोनों लड़कियाँ उनकी देखभाल करती रही। झगड़े हुए, फसाद बढ़े, कोर्ट-कचहरी भी हुआ लेकिन फैसला सहज नहीं हो सका, पूरे दस साल बीत गए।

एक दिन, गर्मी की दोपहर थी। मोटर-साइकिल पर शैलेंद्र स्कूल से घर लौट रहा था। मंथन में विगत प्रभावी था। अकस्मात ह्रदय की गति बढ़ी और मोटर-साइकिल समेत वह खाई में जा गिरा। सांसों की ड़ोर छूट गई। अंत समय, ना माँ-बाप पास में थे, ना बहनें, ना पत्नी, ना हीं बच्चे और ना कोई नाते-रिश्तेदार! जिस गाँव में रहते थे। वहीं पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दिव्या को पता चला तो एक बारगी वह काँप गई। लेकिन अहम पुनः आड़े आन खड़ा हुआ। फिर जाने अचानक क्या हुआ कि वह हँसती चली गई। उसे खुद का होश नहीं रहा। दिन बीते तो दिव्या भूल गई कि कहाँ उसका घर है, कहाँ बसेरा है। कुछ समय तक तो बच्चे उसे ढूँढकर घर लाते रहे लेकिन बाद के दिनों में, उन्होंने भी उसे उसी के हाल पर छोड़ दिया।

दिव्या जब अट्हास करती है, दिशाएँ गूँजने लगती हैं लेकिन अब, कोई सुनने वाला पास में नहीं है। ना उसके पिता को कुछ फर्क पड़ा और ना ही माँ को। कभी वह रो देती है और कभी सिसकती है।

उस सिसकन में, उसका विगत उसे मुँह चिढ़ाता है। राह चलते लोग उसकी तरफ से मुँह फेर लेते हैं।

कविता | नरेश शांडिल्य

चांद पर तितली

कैसी प्यारी लग रही है चाँद पर तितली
इक परी-सी लग रही है चाँद पर तितली

आसमानी-सी ग़ज़ल में चाँद ऊला-सा
उसका सानी लग रही है चाँद पर तितली

चाँद के सँग चाँदनी के शुभ-शगुन जैसी
'फेंग्शुई'-सी लग रही है चाँद पर तितली

तीरगी का गहरा सागर, चाँद कश्ती-सा
उसका माँझी लग रही है चाँद पर तितली

देखकर अनगिन सितारे अपने चारों ओर
खोई-खोई लग रही है चाँद पर तितली

कविता | वीरेंद्र मधुर

ये भारत की शान है प्यारे

ये भारत की शान है प्यारे इसके रंग सुहाने,
सत्य सनातन की गाथा को विश्व लगा दोहराने।

ये भगीरथ के जप तप का पावन गंगा तट है,
ये अमृत की बूंदों वाली महादेव की लट है।
भक्ति में शक्ति पाने को गंगा चलो नहाने।

वर्षों की घनघोर प्रतिक्षा संतों ने की चिंता,
धर्म बचाने की कोशिश में पाई भिक्षा दीक्षा।
भारत की स्वर्णिम राहों पर गाओ नए तराने।

दिव्य देव दर्शन में उमड़े सत्य सनातन लोग,
मधुर मौसमी चली हवाएं बना ग्रह संयोग।
राम कृष्ण की धरती पर नए बसंत को जाने।।

कविता | प्रो . प्रविंद्र बांगड़

कोई अनबन नहीं है

कोई अनबन नहीं है हम में, बस अब मन नहीं है।

न कोई शिकवा, न कोई गिला, बस मन का हाल बदला मिला।
न दूरियाँ बढ़ीं, न नजदीकियाँ हुई कम, बस एहसास हो गए हैं कुछ मद्धम।

एक दिल था जो हँसता बहुत था, वो भी अब कहीं खो गया।
जो प्यार था कभी हमारा, वो भी अब हमसे कहीं खो गया।

तुमसे कोई शिकायत नहीं, न ही कोई अधूरी चाहत रही।
मैं खुद को ही समझ रहा हूँ, ख़ामोशी से कुछ ढूंढ रहा हूँ।

रिश्तों को अब जबरन थामना नहीं,जो बह जाए, उसे रोकना नहीं।
भावनाएँ वैसी ही हैं बदलती नहीं, पर राहें भी तो पहले जैसी नहीं।

अब न कोई उलझन, न कोई भार, अब बस मन उलझा और लाचार।
जो बीत गया, वो सपना सही, अब खुद को पाने की यात्रा सही।

बस अब खुद को पहचानना है , अब खुद से सब सुलझाना है।

लघु कथा | कुसुम

एक अनमोल रिश्ता

छोटे से गाँव की एक लड़की थी, जिसे शिक्षक शब्द से बेहद लगाव था। उसे पढ़ाई का शौक था, मगर संसाधनों की कमी और हालातों के चलते मुश्किल से बी.ए. में दाखिला मिल पाया। पहले साल तो वह कॉलेज जाती रही, मगर फिर कोरोना महामारी ने सब कुछ ठहर सा दिया। महीनों तक ऑनलाइन क्लास चलीं, लेकिन जब हालात सामान्य हुए, तो कॉलेज फिर से खुल गए। कॉलेज का पहला ही दिन था जब उसे पता चला कि इंग्लिश की एक नई मैम ने जॉइन किया है। पहले पीरियड में वही क्लास लेने आईं। गाँव से आई लड़की की अंग्रेज़ी थोड़ी कमजोर थी, मगर समझने की कोशिश करती थी। पहली ही क्लास में जब मैम ने धाराप्रवाह अंग्रेज़ी में पढ़ाना शुरू किया, तो उसे लगा कि यह विषय उसके लिए कठिन होने वाला है। घबराहट में वह हेड टीचर के पास भी चली गई कि उसके लिए किसी और शिक्षक को लगा दिया जाए। मगर एक ही दिन में ऐसा संभव नहीं था, और क्लास जारी रही। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, लड़की को इंग्लिश मैम की क्लास में मज़ा आने लगा। उनके पढ़ाने का तरीका अलग था-सरल, रोचक और प्रेरणादायक। धीरे-धीरे लड़की को अहसास हुआ कि यह विषय मुश्किल नहीं, बल्कि बेहद सुंदर और समझने योग्य है। मैम सिर्फ़ एक शिक्षिका नहीं रहीं, बल्कि उसकी सबसे पसंदीदा टीचर बन गईं। अब वह बेसब्री से उनके पीरियड का इंतजार करने लगी।

ऐसा लगता मानो समय ठहर जाए और वह बस सुनती ही रहे। समय अपनी रफ़्तार से बढ़ता रहा, और देखते ही देखते बी.ए. का आखिरी सेमेस्टर भी आ गया। पूरे कॉलेज में फेयरवेल पार्टी की तैयारियाँ चल रही थीं। मगर इस खुशी के माहौल में लड़की के दिल में अजीब सी उदासी थी। आख़िरी दिन जब मैम क्लास में आईं, तो पूरी कक्षा भावुक हो गई। किसी की आँखों में खुशी थी, तो किसी की आँखों में आँसू। मैम ने सबको ढेरों शुभकामनाएँ दीं। वह दिन बीत गया, मगर रिश्ते नहीं। लड़की और उसकी पसंदीदा टीचर के बीच का संबंध समय के साथ और भी गहरा होता गया। अब हर सुबह एक मैसेज दोनों तरफ़ से आता-'गुड मॉर्निंग, मैम!' गुड मॉर्निंग बच्चें' यह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का प्रतीक थे, जो एक शिक्षक और शिष्य के बीच होता है। क्योंकि कुछ रिश्ते किताबों के पन्नों की तरह होते हैं, जो भले ही बंद हो जाएँ, मगर उनकी यादें हमेशा दिल में बसी रहती हैं...।

आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर डा. संतोष गर्ग का कहना है कि वर्तमान में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी है। हालांकि मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। बदलते परिवेश में साहित्य के स्वरूप को भी बदलना जरूरी है। मसलन युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति आकर्षित करने के लिए लंबी रचनाओं के बजाए लघु और उनके अर्थ को समझाने वाली सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए।

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

समाज सेवा के भाव से साहित्य संवर्धन आवश्यक : संतोष गर्ग

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता के हित में साहित्य को अहम माना गया है। मूर्धन्य विद्वान भी साहित्य की समाज का दर्पण के रूप में व्याख्या करते रहे हैं। ऐसी ही एक प्रख्यात कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार और कहानीकार के रूप में डा. संतोष गर्ग ने अपनी लेखनी से हिंदी साहित्य को एक नया आयाम देकर साहित्य जगत में लोकप्रियता हासिल की है। उनकी साहित्यिक रचनाओं में नारी सशक्तिकरण, आध्यात्म, समाज सुधार और बाल साहित्य जैसे विषयों का समावेश शामिल है। उन्होंने हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी और अंग्रेज़ी भाषाओं की ज्ञाता संतोष गर्ग ने सामाजिक क्षेत्र में अपनी सक्रीयता से समाज को एक सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

साहित्य और समाज में अपने ऐतिहासिक रूप से योगदान दे रही महिला साहित्यकार डा. संतोष गर्ग ने अपने साहित्यिक और सामाजिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में कई ऐसे पहुलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मानना है कि साहित्य संवर्धन समाज सेवा के भाव से हो तो उसका संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने के लिए ज्यादा महत्व है। डा. संतोष गर्ग जन्म 12 नवंबर 1960 को पंजाब के बुढ़लाड़ा के एक संयुक्त परिवार में रूलदू राम सिंगला और देवकी देवी के घर में हुआ। परिवार में किसी तरह का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। बकौल संतोष गर्ग उनकी शादी 17 साल की उम्र में 23 अप्रैल 1978 को हरियाणा के कलायत गांव में हो गई थी। शादी से पहले वह सिर्फ 11वीं कक्षा पास की थी और बाकी उच्च शिक्षा शादी के बाद ग्रहण की। शादी के बाद कलायत गांव से वह अपने पति के साथ हिसार आकर रहने लगी, जहां उनके पति की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रोफेसर के रूप में नई नई नौकरी लगी थी, वहीं से वे अब प्रोफेसर एंड हैड पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। वह साल 2012 से अपने बच्चों के साथ मोहाली में रह रही हैं। हरेक क्षेत्र की तरह साहित्यिक सफर में उतार चढ़ाव सभी के सामने आते हैं। उनके सामने भी बच्चों के भविष्य को लेकर चुनौतियां थी और परिवार की जिम्मेदारियां थी। इसके बावजूद साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेती रही। हिंदी व पंजाबी के अलावा हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी हैं। अपने साहित्यिक सफर में अब तक हिंदी भाषा में निरन्तर कवि गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों का आयोजन भी कराती आ रही हैं। वह अखिल भारतीय साहित्य परिषद में हरियाणा प्रांत की उपाध्यक्ष, और राष्ट्रीय कवि संगम में 2016 से ट्राई सिटी चंडीगढ़ के अध्यक्ष पद पर लगातार सक्रिय हैं। वे एक फैशन डिजाइनर होने के साथ योगा व नेच्युरोपैथी चिकित्सक भी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

संतोष गर्ग की प्रकाशित 19 पुस्तकों में चार काव्य संग्रह-दिल मुट्ठी में, सूख गए नैनन के आँसू, शब्दों को विश्राम कहाँ और बाल काव्य संग्रह 'कागज़ की नाव', एक बाल उपन्यास नानी, निक्की और कुंभ' व काव्य संकलन ' ढुनिया गोल मटोल' के अलावा 'हर मन तिरंगा, पिता होते हैं पर्वत से, कोरोना काल कवियों के झरोखे, लघुकथाएं अपनी-अपनी सोच, लघुकथा संग्रह 'लघुता कुछ कहती है' सुर्खियों में हैं। वहीं 'यात्रा गुरू के गाँव की', 'मानस मोती', 'पंचामृत', 'सहस्त्रमानक', 'संवाद' और सनातन-वार्ता पुस्तकें भी लिखी हैं।

संतोष गर्ग

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी से आध्यात्म पुस्तक सनातन-वार्ता के लिए श्रेष्ठ कृति पुरस्कार के अलावा संतोष गर्ग को महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, साहित्य सम्मेलन शताब्दी सम्मान, गुरु रविंद्र नाथ टैगोर सम्मान, लघुकथा स्वर्ण सम्मान, पावरफुल वूमेन आफ हरियाणा अवार्ड, वूमैन एम्पावरमैंट अवार्ड, कोरोना योद्धा सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं उन्हें दुबई में भारतीय प्रधान कौंसुलेट जनरल द्वारा भी सम्मान हासिल हुआ है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : संतोष गर्ग
जन्मतिथि : 12 नवंबर 1960
जन्म स्थान : बुढ़लाड़ा (पंजाब)
शिक्षा : बीए, योगा व नेच्युरोपैथी, फैशन डिजाइन
संप्रति : कवयित्री, लघुकथाकार, बाल उपन्यासकार, कहानीकार, मैनेजिंग डायरेक्टर(एन जी डायग्नोस्टिकस, पंचकूला)

ऐसे शुरु हुआ साहित्यिक सफर

वे बताती हैं कि हिसार में रहते हुए अमृता प्रीतम, शिव कुमार बटालवी और ओशो की पुस्तकें पढ़ा करती थी। कई बार अपने मन के भाव भी डायरी में उतार लेती। एक तरह से मेरी साहित्यिक यात्रा 1988 में आरंभ हुई, जब मेरी दो कविताएं एक समाचार पत्र में पहली बार प्रकाशित हुई। इससे आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। चूंकि पंजाब में शुद्ध पंजाबी बोली जाती है, जिसके कारण उनकी भाषा में कुछ पंजाबी के तो कुछ हिंदी के और कुछ शब्द हरियाणवी के भी आते हैं। रही बात हिंदी लिखने की, तो इसका श्रेय हिसार के साहित्यकारों को है। यह उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें सर्वोदय भवन में हिसार के राज्यकवि प्रोफेसर उदयभानु हंस, डॉ राधेश्याम शुक्ल, सतीश कौशिक, राजेंद्र प्रसाद जैन, मदन गोपाल शास्त्री, प्रदीप नील जैसे विद्वानों को सुनने का अवसर मिलता रहा। इस बात का अहसान उन्हें भी नहीं हुआ कि कब हिंदी उनकी प्रिय भाषा बन गई। साहित्य जगत में उनकी सभी प्रकाशित पुस्तकें हिंदी भाषा में ही हैं और बहुत से सांझा संकलनों में भी रचनाएं प्रकाशित हैं। साल 1995 में उनकी पहली कृति के रुप में काव्य संग्रह 'दिल मुट्ठी में' प्रकाशित हुआ। फिर उन्होंने लघु कथा संग्रह और अन्य विधाओं में पुस्तकें लिखना शुरु किया। उन्होंने बताया कि उनका काव्य संग्रह सूख गए नैनन के आँसू' और डायरी के पन्ने 'मनांजलि' हरियाणा साहित्य अकादमी सौजन्य से प्रकाशित हुआ। साहित्य के क्षेत्र में उन्होंने गद्य व पद्य दोनों विधाओं में ही रचनाएं लिखी हैं। कविताओं के अलावा लघु कथाए, कहानी, उपन्यास और बाल साहित्य भी लिखा है। उनके लेखन का फोकस ज्यादातर प्रेम, प्यार, विरहा, अध्यात्म, सेवा, संस्कारों पर रहा है। हालाकिं समाजिक सरोकार के मुद्दों पर भी कलम चलाई है, लेकिन राजनीति पर बहुत कम लिखा है।

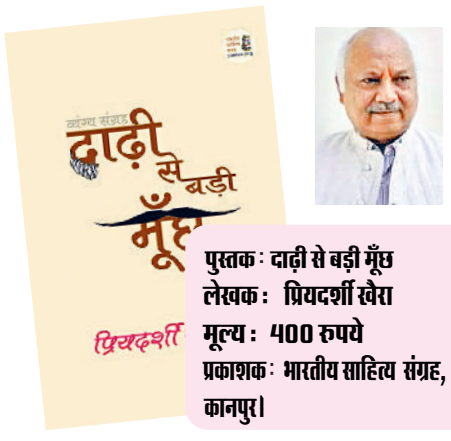

हास्य-व्यंग्य बोध से सराबोर 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ'

पुस्तक : दाढ़ी से बड़ी मूँछ
लेखक : प्रियदर्शी खैरा
मूल्य : 400 रुपये
प्रकाशक : भारतीय साहित्य संग्रह, कानपुर।

पुस्तक समीक्षा | प्रमोद ताम्बट

हाल ही में प्रियदर्शी खैरा का नया व्यंग्य संकलन 'दाढ़ी से बड़ी मूँछ' भारतीय साहित्य संग्रह कानपुर से प्रकाशित हुआ है। दो दो स्वरनामधन्य व्यंग्याकारों प्रेम जनमेजय एवं पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी की पृथक-पृथक भूमिकाओं से सजे इस व्यंग्य संकलन ने एक तरीके से लेखन की दुनिया में एक अलग लकीर खींच कर रख दी है, यह कहने में कोई गुरेज़ नहीं किया जाना चाहिए। जहां प्रेम जनमेजय कहते हैं कि ''उनकी रचनाओं में व्यंग्य लदकर नहीं आया है, सहज आया है'', वहीं डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी कहते हैं ''सहज होकर व्यंग्य भी लिखा जाए तो वह कितना अच्छा बन जाता है।' प्रियदर्शी खैरा का यह संकलन इन दोनों ही टिप्पणियों पर खरा उतरता है। श्री खैरा की व्यंग्य रचनाओं में वव्यंग्य भी उसी सहजता से आता है जितनी सहजता से हास्य। यह एक मणिकांचन संयोग की तरह होता है जो रचना की पठनीयता को निःसंदेह द्विगुणित कर देता है। इसे साध लेना वास्तव में बहुत कठिन होता है, यदि वह घुट्टी के साथ मिली हुई न पी रखी हो। श्री खैरा का बुंदेलखंड से लम्बा नाता रहा है इसलिए वहां का नैसर्गिक हास्य-व्यंग्य बोध उनकी रचनाओं में सहज प्रवाह की तरह चला आता है जिससे वे अपने रचनाकर्म को समृद्ध बनाते चलते हैं। पूरे संकलन की हरेक रचना में खैरा जी अपनी विशिष्ट खिलंदड़ी भाषा के माध्यम से अपने हास्य-व्यंग्य बोध का छिड़काव सा करते हुए चलते हैं। जिससे पहली ही रचना से संकलन के प्रति उत्सुकता का भाव पैदा होता है जो निश्चित ही पाठक को पूरा संकलन पढ़ा ले जाने के लिए मजबूर कर देता है। श्री खैरा लम्बे समय तक शासकीय विभाग में उच्चतम पद पर रहे हैं और उन्होंने इस दौरान व्यवस्था के छोटे से लेकर उच्च स्तर कर तक की इकाइयों को बहुत ही करीब से देखा है। किसी भी लेखक के पक्ष में यह महत्वपूर्ण बात होती है कि वह अपने जीवनानुभव को किस तरह से अपने रचना कर्म में लेकर आता है, श्री खैरा का रचनाकर्म इस मामले में काफी ईमानदार और प्रामाणिक प्रतीत होता है। व्यंग्य संकलन में कुछ 37 रचनाएं हैं। सभी रचनाएं लेखक के मृदुल हास्य एवं व्यंग्य बोध से सराबोर हैं जो मज़े-मज़े में गंभीर विसंगतियों का अहसास भी कराती चलती हैं। लेखक की रचनाएं व्यंग्य के मानदंडों पर भी खरी उतरती हैं, वे बहुत सहजता से व्यंजना, वक्रोक्ति, कटाक्ष, ह्यूमर, आयरनी, कामदी आदि व्यंग्य के हथियारों का उपयोग करते नज़र आते हैं। पुस्तक का कवर पेज अत्यंत साधारण है, इसे और ज्यादा कलात्मक बनाया जाता तो बेहतर होता।

खबर संक्षेप

कनीना में रक्तदान शिविर 23 को

कनीना। शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर आगामी 23 मार्च को कनीना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठन जेएसविएस की ओर से डा. भीमराव अम्बेडकर चौक पर आयोजित होने वाले इस शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी व उपनागरिक अस्पताल में कार्यरत स्टाफ का योगदान रहेगा। संगठन के संचालक दीपक कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की संवेदना को समर्पित होगा।

प्राचार्य रमन शास्त्री को मातृशोक

कनीना। गांव रामबास निवासी हरियाणा शिक्षा विभाग के प्राचार्य के पद पर कार्यरत रमन शास्त्री की माता कमला देवी का निधन हो गया। वे 75 वर्ष की थी। उनकी ओर से गत वर्ष राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबास के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले 12वीं कक्षा के तीन विद्यार्थियों को क्रमशः 5100, 3100 व 2100 रुपये तथा दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 5100, 2100 व 1100 रुपये नकद प्रदान करने का प्रेरणादायक कार्य शुरू किया था। 19 मई 2024 को उन्होंने अपने हाथों से पहली छात्रवृत्ति प्रदान भी की थी। धार्मिक विचारों एवं शांत प्रवृति वाली महिला थी, जो अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई।

मंडी अटेली। गांव चंदपुरा में अनुसूचित जाति बस्ती के सामने फैली गंदगी दिखाते हुए। फोटो: हरिभूमि

चंदपुरा में सड़क पर गंदगी का आलम

मंडी अटेली। राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 11 पर बसे गांव चंदपुरा में जब से सड़क व फ्लाईओवर बना है, तबसे अनुसूचित जाति बस्ती की नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। इससे रोड टूटने के साथ बस्ती के आसपास गंदगी फैली हुई। रोड पर पानी गंदा फैलने के कारण बीमारियों के फैलने के साथ वाहन चालकों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। इतना सब कुछ होने के बाद एनएचएआई मौन बनी हुई। रोड पर गंदगी से बीमारियां फैलने के साथ दुर्घटना का सदैव अंदेशा बना रहता है। अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा के जिला अध्यक्ष व ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य कर्मवीर खींची ने अनेक बार एनएचएआई अधिकारियों से आग्रह किया कि नक्शे में प्रस्तावित बस लाइन का निर्माण किया जाए, ताकि गंदे पानी की निकासी के लिए नाले की व्यवस्था हो सके। पूर्व सरपंच बाबूलाल, राजेंद्र सिंह, सतबीर, रामसिंह, तेजप्रकाश, लक्ष्मीचंद, जयसिंह, सतीश कुमार आदि ने बताया कि रोड के साथ जब तक नाले का निर्माण नहीं होता है, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। ग्रामीणों ने बताया कि नक्शे में प्रस्तावित बस लाइन का निर्माण किया जाए।

सुल्ताना अहिरान में नवयुवक मंडल द्वारा दौड़ प्रतियोगिता हुई

रिले दौड़ स्पर्धा में देव रोड की टीम प्रथम, बुहाना दूसरे स्थान पर रहा

मुख्यअतिथि वीरेंद्र शास्त्री बोले, खेलों से होता है सर्वांगीण विकास शरीर रहता स्वस्थ्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजस्थान के नजदीकी गांव सुल्ताना अहिरान में नवयुवक मंडल द्वारा बाबा रूपादास दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. वीरेंद्र कुमार शास्त्री थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेलों से सर्वांगीण विकास होता है। शरीर सुदृढ़ बनता है। शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। शरीर रोग रहित रहता है। प्रतियोगिताओं से प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष पंचायत समिति बुहाना के प्रधान हरिकिशन यादव ने कहा कि खेलों से प्रेम भावना बढ़ती है, भाईचारा बढ़ता है। इसलिए ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्रामीण स्तर पर जरूर करना चाहिए। इस अवसर पर हरिकिशन प्रधान ने खेल सामान के लिए 3,00,000 रुपये देने की घोषणा की। पूर्व सरपंच रामकुमार ने भी आगामी वर्ष के लिए खेल प्रतियोगिताओं के लिए 2,00,000 लाख रुपये देने की घोषणा की। निर्णायक की भूमिका सूबेदार रमेश कुमार रामा डिफेंस एकेडमी बड़बर, सोनू यादव पीटीआई तथा दिलावर भालोठिया ने निभाई।

नारनौल। गांव में खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि डा. वीरेंद्र शास्त्री। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गांव के पूर्व सरपंच रामकुमार, पूर्व सरपंच कृष्ण कुमार, प्रमोद शर्मा, मास्टर लक्ष्मी नारायण, समाजसेवी राजेश कुमार, जयपाल, जयलाल, रामकिशन तथा नवयुवक मंडल में नव युवा समाजसेवी अमित कुमार शर्मा, पहलवान संदीप कुमार, पहलवान पवन, विकास, मोहित, अंकित, मुलायम, अमित कुमार, अरविंद, संदीप, अजय कुमार व अजीत आदि मौजूद रहे तथा नवयुवक मंडल एवं समस्त ग्रामीणों के सहयोग से यह प्रतियोगिता धूमधाम से संपन्न हुई।

यह बने विजेता

इस प्रतियोगिता की 4×400 रिले दौड़ में प्रथम देव रोड की टीम रही, जिसने 11000 का ईनाम जीता। द्वितीय स्थान पर बुहाना की टीम रही, जिसने 5100 रुपये जीते। तृतीय स्थान पर सिरसला की टीम रही, जिसे 2100 रुपये नवाजे गए। 100 मीटर दौड़ में लड़कों में कपिल सिरसला प्रथम रहे तथा 5100 रुपये के विजेता रहे। 1600 मीटर दौड़ लड़कों में हेमंत रेवाड़ी प्रथम रहे, जो 5100 रुपये के विजेता रहे। 5000 मीटर (5 किलोमीटर) लड़कों की दौड़ में प्रथम स्थान मोहन सांगवान आदमपुर रहा और 5100 रुपये के विजेता रहे। 800 मीटर लड़कियों की दौड़ में प्रथम स्थान गीतिका दहिया गुड़गांव रही और 5100 रुपये की विजेता रही। लॉन्ग जंप लड़के में अभिषेक पिलानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और 5100 रुपये के विजेता रहे। लॉन्ग जंप लड़की में प्रथम स्थान प्राची नूनियां ने प्राप्त किया और 2100 रुपये की विजेता रही।

दिग्विजय चौटाला बने प्रधान

- हरियाणा स्टेट हैंडबॉल एसोसिएशन का चुनाव संपन्न
- मनजीत ढांडा, धूरेंद्र हुड्डा व राम शर्मा को उपप्रधान की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। हरियाणा स्टेट हैंडबॉल एसोसिएशन के नवनियुक्त महासचिव संदीप कोंटिया व अन्य पदाधिकारी। । फोटो: हरिभूमि

जाट धर्मशाला में रविवार को हरियाणा स्टेट हैंडबॉल एसोसिएशन का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में बतौर रिटर्निंग अधिकारी एमडी यूनिवर्सिटी से सेवानिवृत्त सुप्रीडेंट राधेश्याम शर्मा व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया की तरफ से ऑब्जर्वर अरिवंद पहुंचे।

उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह से निर्विरोध एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। चुनाव में दिग्विजय चौटाला को प्रधान, मनजीत ढांडा, धूरेंद्र हुड्डा व राम शर्मा को उपप्रधान, संदीप कोंटिया को महासचिव, परमवीर सिवाच व हरीश को सहसचिव, सुरेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा सुशीला सिवाच, राजेश, उर्मिला, कर्मवीर सिंह को सदस्य नियुक्त किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा एवं लग्न से निर्वहन करेंगे तथा खिलाड़ियों को हर सुविधा मुहैया करवाने व अधिक से अधिक युवाओं को खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

21 हजार की कुश्ती रेश्म ने जीती

- ग्राम पंचायत कुंजपुरा व बाबा भैया सेवा समिति की ओर से मेले में करवाया गया दंगल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते सरपंच नरेंद्र व कमेटी सदस्य।

ग्राम पंचायत कुंजपुरा व बाबा भैया सेवा समिति की ओर से बाबा भैया के मेले का आयोजन हुआ। मेले में बाबा का भंडारा व भक्तगणों ने अपनी मन्नतें मांगकर पूजा अर्चना की।

जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह ने मेले का उद्घाटन किया, जबकि मेला कमेटी प्रधान, गांव के सरपंच व मेला कमेटी सदस्यों ने विजेताओं को सम्मानित किया। दिल्ली अखाड़े के बाघोत निवासी रेश्म पहलवान ने 21 हजार रुपये की कुश्ती मोहित छितरौली को हराकर जीती। वहीं 11 हजार रुपये की कुश्ती जतिन मोकलवास ने नारनौल के अंकुश को हराकर जीती। मेले में वालीबाल के मैच में प्रथम राता रहने वाली टीम को 21 हजार व द्वितीय सचिन कप्तान के नेतृत्व वाली बहल की टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। कबड्डी में जयपुर की टीम प्रथम तथा अलवर टीम दूसरे स्थान पर रही।

प्रतिभाओं को सम्मानित किया

- सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन ने दिया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के तत्वावधान में अंबेडकर भवन मालवीय नगर में प्रतिभा एवं मोटिवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता फाउंडेशन के प्रधान सुभाष चंद्र एडवोकेट ने की। प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में चंचल सिंगला एचसीएस, प्रियंका आरएएस, सुनील कुमार आरएएस, हेमंत आरजेएस को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नैंसी, प्रिंस, वंश व कार्तिक को भी एनटीएस एग्जाम पास करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी अधिकारीगणों ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नवयुवकों को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि असफल होने के बाद हिम्मत ने हारे अपितु सफलता प्राप्त होने तक बारंबार प्रयास करते रहे। एचसीएस चंचल सिंगला व सीडीपीओ प्रियंका ने बताया कि क्रांति ज्योति माता सावित्रीबाई फुले ने देश की महिलाओं को शिक्षित करने का अभियान शुरू किया गया था।

1268 विद्यार्थियों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

- सीएलसी सीकर की नारनौल ब्रांच में जेईई और एनडीए की कक्षाओं में प्रवेश के लिए हुआ परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सीएलसी सीकर की नारनौल ब्रांच में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 1268 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निजामपुर रोड स्थित सीएलसी की ओर से कक्षा छठीं से कक्षा आठवीं प्री-फाउंडेशन, कक्षा नौवीं से कक्षा 10वीं फाउंडेशन तथा कक्षा 11वीं से 12वीं के साथ नीट, जेईई व एनडीए की कक्षाओं में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में दूर-दूर से अभिभावक अपने बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए पहुंचे। इस परीक्षा में उपस्थित बच्चों के साथ उनके परिजनों में भी उत्साह नजर आ रहा था। सीएलसी सीकर के संस्थापक इंजीनियर श्रवण चौधरी ने 1996 में सीएलसी की स्थापना की, जो कि आज शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम है। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने में मदद करना है। सीएलसी ने नीट, जेईई एनडीए व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

बच्चों को लाभ पहुंचेगा

परीक्षा का आयोजन सीएलसी नारनौल के डायरेक्टर नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि हम यहां पर कक्षा छठीं से कक्षा आठवीं प्री-फाउंडेशन, कक्षा नौवीं से कक्षा दसवीं फाउंडेशन तथा कक्षा ग्यारवीं से बारहवीं के साथ नीट, जेईई एवं एनडीए की तैयारी करवाते है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन व होशियार औरआर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है, कोई भी परीक्षा व्यक्ति व श्रेष्ठता की पहचान और किसी स्थिति का सामना करने की तैयारी का निरीक्षण सदैव परीक्षा का उद्देश्य रहा है। सीएलसी नारनौल के सेंटर हेड सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा देने आए छात्रों में बहुत उत्साह देखा गया।

समारोह में बेटियों ने दिखाई प्रतिभा

- बदोपुर गांव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन
- सभी ने गांव की बेटियों को उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। बदोपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बदोपुर गांव में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रतिभा सम्मान समारोह में गांव की दो बेटियों का हिना यादव पुत्री राकेश कुमार सीजीएल इनकम टैक्स इंस्पेक्टर व अंजु कुमारी पुत्री पूर्णमल प्रजापत वित मंत्रालय अकाउंट ऑफिसर के चयन होने पर आयोजित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता महाराज जसनाथ ने की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक अहीरवाल, राजवंशी शिक्षा निकेतन, इंडियन स्कूल, कुलदीप कॉलेज शिमला के साथ साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक अहीरवाल बदोपुर इकाई के अध्यक्ष बृजलाल यादव ने कहा प्रतिभा जन्मजात होती है, उनको अवसर प्रदान कर उभारा जाता है, वो समाज का दायित्व है। समाज ने आपको जो दिया है उसको वापस समाज को देने का प्रयास करना चाहिए। उभरी हुई प्रतिभा आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श होती है। सभी ने गांव की बेटियों को उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। सांस्कृतिक अहीरवाल के जिला मीडिया प्रमुख शीशपाल यादव ने कहा कि गांव की दोनों बेटियों की इस उपलब्धि पर गांव गर्व करता है और उपस्थित छात्र छात्राओं से आग्रह करता है कि दोनों बेटियों को आदर्श मानकर आगे बढ़ने का संकल्प करें।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बाबूलाल नंबरदार, ब्रजलाल मास्टर, महेश सरपंच बदोपुर, डा. मूलचंद सरपंच दोचाना, प्रदीप सरपंच जाटूपुर, सांस्कृतिक जिला मीडिया प्रभारी शीशपाल बदोपुर, नरेश सरपंच, फूलचंद डेलीगेट, ईश्वर राजपूत, संदीप यादव, सतीश यादव, सुनील यादव, डा. संजय यादव, सुभाष यादव, चंद्रभान, दशरथ, अनिल चौहान आदि मौजूद थे।

स्कूल में पुरस्कार वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अभिभावकों व स्कूल के अध्यापकों के बीच संवाद बढ़ाने के उद्देश्य से एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में रविवार को कक्षा नर्सरी व आठवीं तक की अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी व वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया। जिसमें अपने बच्चों के प्रदर्शन व पढ़ाई को जानने के लिए अभिभावकों में काफी उत्साह दिखाई दिया। अभिभावकों के स्वागत में प्रवेश द्वार व कक्षाओं को काफी अच्छे तरीके से सजाया गया।

अभिभावकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर बच्चों के बारे में शिक्षकों से विस्तार से बात की व बच्चो की वार्षिक परीक्षा के प्राईज व रिपोर्ट कार्ड प्राप्त किए। रिपोर्ट कार्ड में अपने बच्चों का अच्छा परिणाम देखने के बाद अभिभावकों ने अध्यापको को बधाई दी। स्कूल प्राचार्या अनिता यादव ने संगोष्ठी के आयोजन पर बच्चों के अच्छे परिणाम के लिए सभी अभिभावकों व बच्चों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी एक मंच है, जिसके माध्यम से अध्यापक का संबंध छात्र व उसके माता-पिता के साथ मधुर होगा।

श्रद्धा से निकाली 113वीं प्रभात फेरी

- राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 113वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक आयोजन प्रातः सात बजे शिव मंदिर छोटा तालाब से प्रारंभ हुआ। जहां मुख्य यजमान प्रदीप संघी, प्रमोद संघी व उनके परिवार ने ठाकुर जी की आरती कर सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। इस प्रभात फेरी में सैकड़ों बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा शामिल हुए। सभी ने ढोल नगाड़ों की मधुर ध्वनि पर भजन कीर्तन करते हुए राधे राधे के जयकारों से नगर को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी शिव मंदिर, छोटा तालाब से प्रारंभ होकर इमली के पेड़, नौ चौकी हवेली व मोहल्ला बावड़ीपुर होते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में भक्तगणों ने भगवान का स्मरण करते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इस आयोजन ने पूरे नगर को वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन व बरसाना की गलियों जैसा भक्तिमय रूप दे दिया। ढोल मंजीरों की ताल पर श्रद्धालु झूम झूमकर ठाकुर जी को रिझाने में मग्न रहे। चारों ओर राधे राधे के मंत्रों की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक प्रेम, शांति, समर्पण व आनंद से सराबोर हो उठा। प्रभात फेरी के स्वागत में श्रद्धालु जगह जगह खड़े होकर फूल बरसा रहे थे।

स्पोर्ट्स क्लब खासपुर व श्रीशनि शक्ति धाम परिसर में चलाया अभियान

युवाओं ने जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया

- अभियान के तहत पार्कों और परिसर में लगे पौधों की देखभाल की गई, आसपास की खरपतवार हटाकर सफाई की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। अभियान के तहत पौधों में पानी देते हुए। फोटो: हरिभूमि

जल संरक्षण व हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल अभियान के तहत रविवार को स्पोर्ट्स क्लब खासपुर व श्री शनि शक्ति धाम परिसर में विशेष स्वच्छता व पौधों की देखभाल अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व डा. जय कृष्ण आभीर के मार्गदर्शन में किया गया। जल बचाओ पेड़ लगाओ पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल अभियान के अंतर्गत पार्कों व परिसर में लगे पौधों की देखभाल की गई। उनके आसपास की खरपतवार हटाई गई और सूख रहे पौधों में जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई। इस दौरान पौधों की सुरक्षा के लिए लगी तारबाड़ को भी दुरुस्त किया गया। यह कार्य ग्रामीणों व स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ। इस स्वच्छता और संरक्षण अभियान में यशवीर, बॉबी देहरान, सचिन, अमरजीत, सुखदेव, गौरव रोहिल्ला, योगेश व अजय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीम के सभी सदस्यों ने कड़ी मेहनत से पौधों की देखभाल कर परिसर को स्वच्छ और हरित बनाने में सहयोग दिया। संदेश दिया गया कि जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है।

जल बचाने और हरियाली बढ़ाने की मुहिम जारी रहेगी

टीम मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल निकट भविष्य में और अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे ही अभियानों को गति देने की योजना बना रही है। समुदाय को जागरूक कर जल संरक्षण व पौधारोपण को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। यशवीर यादव व अरविंद भारद्वाज ने बताया कि आज का अभियान न केवल पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम था, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को यह प्रेरणा देता है कि हम सभी मिलकर अपने गांव, शहर व पर्यावरण को बेहतर बना सकते हैं। जल बचाने और हरियाली बढ़ाने की यह मुहिम जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

सौरभ का सरकारी मेडिकल कॉलेज में हुआ दाखिला

भिवानी। चुहड़सिंह की बाजारी निवासी सौरभ सिंह पुत्र प्रदीप शर्मा का नीट परीक्षा में 675 अंक प्राप्त करने पर हिमाचल प्रदेश के राजकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज चंबा में प्रवेश हुआ है। सौरभ सिंह के पिता प्रदीप शर्मा व माता मंजू शर्मा शिक्षा की अलख जगाकर युवाओं को जागरूक करने का कार्य कर रही हैं। सौरभ के पिता प्रदीप ने बताया कि वे साधारण परिवार से संबंध रखते हैं, उनके दो पुत्र हैं, जिसमें बड़ा पुत्र अनीश शर्मा आईएएस की तैयार कर रहा है और छोटा पुत्र सौरभ सिंह ने अपनी मेहनत के बलबूते पर नीट की परीक्षा पास कर मेडिकल के सरकारी कॉलेज में दाखिला पाया है। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि दोनों बेटे उच्च पदों पर आसीन होकर देश की सेवा करेंगे। सौरभ सिंह ने 10वीं व 12वीं की पढ़ाई वैश्य मॉडल स्कूल से की। यह बचपन से ही शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं और चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च अधिकारी बनकर जरूरतमंद लोगों की सेवा करने का सपना है।

सैय गांव में श्री श्याम गोशाला में पहुंचे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राणा

पशुपालन और पराली प्रबंधन में सुधार कर किसानों की बढ़ाई जाएगी आमदनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

भिवानी। गायों को गुड खिलाते कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा तथा आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन मंत्री श्याम सिंह राणा व विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि।

कृषि, किसान कल्याण पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा रविवार को बवानीखेड़ा विधानसभा के सैय गांव में श्री श्याम गौशाला में पहुंचे। जहां ग्रामिणो ने कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा एवं विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि का किया भव्य स्वागत। कैबिनेट मंत्री राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम छू रहा है। हर नागरिक को अपने देश को विकसित करने के लिए अपना अपना सहयोग देना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक समान विकास कार्य किए जा रहे हैं। हमारी सरकार सबका साथ- सबका विकास के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढाने के लिए सरकार कारगर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हमारी सरकार गौ -वंश की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं किसान परिवार से आते है जो किसानों की हर समस्या को अच्छी तरह से समझते हैं। उन्होंने आते ही 24 फसलों पर एमएसपी देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को हमें अपनाना होगा जिससे कि किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मत्स्य पालन एवं बागवानी को अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार पशुपालन और पराली प्रबंधन में बेहतर सुधार करके किसानों की आय में बढ़ोतरी करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा आज सैय गांव में बनी श्री श्याम गोशाला के शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की ग्रांट दी। उन्होंने कहा जहां भी अमन, चैन, शांति और अनुशासन होगा वहां पर उन्नति निश्चित तौर पर होगी।

अनुशासन समाज के विकास की पहली कड़ी है। बवानी खेड़ा से विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहां कि मुझे आपकी सेवा करने का मौका मिला है, मैं हमेशा आपके बीच में खड़ा मिलूंगा। इसके साथ उन्होंने कहा कि लोकप्रिय मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिन-रात आपकी सेवा में रहते हैं। बवानीखेड़ा के प्रति मुख्यमंत्री का विशेष लगाव व ध्यान है। इस दौरान हरियाणा राजपूत सभा के उपाध्यक्ष ओमवीर तंवर, भवानी प्रताप सिंह, भरत सिंह परमार सहित विभिन्न गांव के सरपंच एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

भिवानी। चुनावी प्रक्रिया में नामाकंन करवाने पहुंचे पूर्व मंत्री संजय सिंह व अन्य।

जिला भाजपा कार्यालय में चुनाव के लिए नोमिनेशन प्रक्रिया पूरी

भिवानी। भारतीय जनता पार्टी के भिवानी जिला के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया आज रविवार को पूरी हुई। इस दौरान अनेक दावेदारों ने अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे यह चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। वही दूसरी तरफ नामांकन प्रक्रिया के दौरान भिवानी के तोशाम रोड़ स्थित जिला भाजपा कार्यालय में भी भारी उत्साह देखा गया। चुनाव प्रभारी एवं पूर्व मंत्री संजय सिंह, भिवानी प्रभारी रेणु बाला व जिला अध्यक्ष मुकेश गौड की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किए गए, जहां पार्टी अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

चार बजे तक कार्यकर्ताओं ने किया था नामाकंन

दोपहर 12 बजे से लेकर शाम चार बजे तक भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष पद के लिए चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं से नामाकंन मांगे गए थे। नामाकंन करवाने के लिए पूर्व मंत्री संजय सिंह व भिवानी प्रभारी रेणू बाला भी पार्टी कार्यालय में पहुंच गई। उसके बाद जिला अध्यक्ष पद के लिए नामाकंन प्रक्रिया शुरू हुई। शाम चार बजे तक नामाकंन प्रक्रिया जारी रही। उसके बाद नामाकंन प्रक्रिया को बंद कर दिया गया। ताकि अगले दिन चुनाव करवाया जा सके,लेकिन इस दौरान सभी नामाकंन करने वाले उम्मीदवारों ने एक सुर में अपना नामाकंन पर्चा वापस लेने का फैसला लिया।

सभी ने लिए अपने नामाकंन वापस

चुनाव प्रभारी एवं पूर्व खेल मंत्री संजय ने बताया कि रविवार को जिला अध्यक्ष के पद के लिए 54 उम्मीदवारों ने नोमिनेशन फॉर्म भरे थे, जिसके बाद सभी उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र वापिस ले लिए तथा अब संगठन का फैसला ही सर्वमान्य होगा। उन्होंने बताया कि अब भिवानी जिला अध्यक्ष के पद के लिए संगठन जिस नाम पर मोहर लगाएगा,वही अंतिम फैसला होगा। चुनाव प्रभारी एवं पूर्व खेल मंत्री संजय ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जिसमें कार्यकर्ताओं की मेहनत एवं पार्टी निष्ठा को देखते हुए उन्हे आगे बढ़ाया जाता है तथा जो जिम्मेवारियां कार्यकर्ताओं को दी जाती है, कार्यकर्ता भी उसे निभाने का कार्य करते है।

परियोजनाओं के लिए 58.33 करोड़ रुपये मंजूर : सांगवान

- चरखी दादरी हलका में विकास परियोजनाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। चरखी दादरी

प्रदेश सरकार ने दादरी के अनेक गांवों में सिंचाई व फ्लड के लिए 27 परियोजनाओं के लिए 58.33 करोड़ रुपये की परियोजनाओं मंजूर की हैं। इन परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। आगामी दिनों में यो परियोजनाएं धरातल पर शुरू होने से क्षेत्र में विकास दिखाई देगा। विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि पिछले दिनों दादरी क्षेत्र में सिंचाई व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थायी समाधान बारे मुख्यमंत्री से मिलकर मांग पत्र सौंपा था। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 56वीं बैठक में विशेष तौर पर प्रदेश सरकार ने दादरी में 27 परियोजनाओं के लिए 58.33 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है, जिसमें जल निकासी सिंचाई योजना के तहत बौंद कलां, नीमड़ी, मालकोष, बौंद खुर्द, जयश्री, निमली, अखत्यारपुरा, डोहकी, पांडवान, कन्हेटी, भागवी, समसपुर, इमलोटा, मारेवाला, स्वरूपगढ़, छपार व लोहरवाड़ा सहित अनेक गांवों से खेतों का पानी निकालने के लिए पाइप लाइन सहित पानी निकासी के प्रबंधों की योजना शामिल है। साथ ही पानी निकासी के लिए बिजली व मोटर सहित अन्य सामान के लिए विशेष राशि मंजूर की गई है।

भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरू के शहीदी की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम 22 को

- शहीदों की शहादत को याद कर हमें साम्राज्यवाद विरोधी लड़ाई को तेज करना होगा : कामरेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

भिवानी। सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में बैठक में विचार विमर्श करते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

शहीद यादगार समिति व मजदूर संगठन सीटू की ओर से सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता मजदूर नेता सदीक डाउम, अरविंद भारद्वाज व महिला नेत्री सन्तोष देशवाल ने संयुक्त रूप से की।

मंच संचालन शहीद यादगार समिति के नेता बिजली निगम से रिटायर्ड एक्सईएन सज्जन कुमार सिंगला ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि दुनिया में अमेरिका जैसे साम्राज्यवादी देशों का दबदबा बढ़ रहा है, वे दुनिया में व्यापार एवं तकनीक पर एकाधिकार जमाकर विकासशील देशों के संसाधनों को हड़पना चाहते हैं। कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि वे भारत जैसे देशों को हथियार, सेना का सामान बेचकर, महंगी गैस व तेल बेचकर व्यापार बढ़ाना चाहते हैं तथा अपने बाजारों में माल खरीदने के लिए ज्यादा टैरिफ लगा रहे हैं। । रिटायर्ड एक्सईएन सज्जन कुमार सिंगला ने कहा कि 22 मार्च को शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर तीनों शहीदों की याद में सांयकाल सात बजे शहीद भगतसिंह चौक सैक्टर 13 व 23 के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भिवानी में 22-23 मार्च को भवन निर्माण व कामगार यूनियन सम्बन्धित सीटू का राज्य सम्मेलन मंगेज भवन कीर्तिनगर में होगा। इसके लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया।

ये रहे मौजूद

बैठक में सीटू के राममेहर सिंह, सुखदेव पालुवास, अनिल कुमार, सुमेर धारणी, भगवानदास रिवासा, कुलदीप बड़वा, किसान सभा से रामफल देशवाल, करतार ग्रेवाल, नरेद्र धनाना, महाबीर फौजी, प्रताप सिंह सिंहमार, बलबीर बजाड़, रिटायर्ड कर्मचारी नेता रत्नकुमार जिंदल, नरेश शर्मा, चन्द्रभान नाहलिया, महेन्द्र तंवर, मास्टर चांदीराम, कर्मचारी नेता सन्दीप सांगवान, नरेन्द्र दिनोद, पवन कुमार शर्मा, जनवादी महिला समिति से सरोज श्योराण आदि मौजूद रहे।

प्रियंका को सर्वसमाज नारी गौरव से किया सम्मानित

भिवानी। प्रियंका प्रजापति को सर्वसमाज नारी गौरव सम्मान से सम्मानित करते डॉ. आंबेडकर उत्थान परिषद जयपुर के पदाधिकारी।

चरखीदादरी । डॉ. आंबेडकर उत्थान परिषद जयपुर द्वारा सियाम ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित पंचम सर्वसमाज नारी गौरव सम्मान-2025 समारोह में प्रियंका प्रजापति को सम्मानित किया। दादरी निवासी एवं झांसी की रानी एक प्रेरणा समूह की प्रदेश अध्यक्षा प्रियंका को प्रतिष्ठित सम्मान नारी उत्थान एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया। समारोह में उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के सांसद योगेन्द्र चांदोलिया और मालवीय नगर जयपुर के विधायक कालीचरण सर्राफ ने प्रियंका प्रजापति को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रियंका ने महिलाओं की शिक्षा, अधिकारों और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम चलाए हैं, उनके नेतृत्व में झांसी की रानी एक प्रेरणा समूह ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रभावशाली कार्य किए हैं। पूरे हरियाणा प्रदेश से अकेली प्रियंका को ये सम्मान मिलना गर्व की बात है। इस उपलब्धि पर प्रियंका ने कहा कि यह सम्मान मेरे कार्यों को और मजबूती देगा, मैं समाज और महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहूंगी।

बवानीखेड़ा के 16 वार्डों में 10 महिला पार्षद और 6 पुरुष पार्षद चुने गए

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶। बवानीखेड़ा

बंसती देवी।

कमल देवी।

संतोष देवी।

सुमित्रा देवी।

बवानी खेड़ा नगर पालिका चुनाव प्रशासन की सुझबूठ व दादूनगरी के निवासियों के कारण सुख शांति से संपन्न हुए। शहर के 16 वार्डों में चेयरमैन के अलावा दस महिलाएं, 6 पुरूष पार्षद चुने गए जिनमें वार्ड 1 से किरण, वार्ड 4 से रीनू, वार्ड 6 से कविता, वार्ड 7 से राजबाला, वार्ड 8 से बिमला, वार्ड 9 से सुमित्रा देवी, वार्ड 12 से पुष्पा, वार्ड 14 से रेणू देवी, वार्ड 15 से कमलेश, वार्ड 16 से बसंती देवी महिलाएं व वार्ड 2 से दीपक सैनी, वार्ड 3 से अशोक कुमार, वार्ड 5 से रिंकू, वार्ड 10 से मनीष, वार्ड 11 से बलराज, वार्ड 13 से सुभाष चंद पुरूष पार्षद हैं। सभी महिलाएं, पुरूष पार्षद जमीनी स्तर से लोगों से जुड़े हुए हैं। अब शहर के विकास को लेकर रणनीतियां बनने लगी है। हालांकि चुनी गई महिलाओं के पति कोई शिक्षक, कोई गायक, कोई प्रोफेसर सहित अन्य प्रोफेशन में शामिल हैं। इसमें विधायक कपूर वाल्मीकि, भावी चैयरमैन, कॉलेज प्रोफेसर, इंस्पेक्टर की धर्मपत्नियों ने अपने विचार सांझा किए। बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि की धर्मपत्नी संतोष देवी ने बताया कि शहर ने अपने अपने वार्ड के पार्षदों व चेयरमैन को चुना है। चुनाव सुख-शांति से संपन्न हुए।

लोहारू। किसान महापंचायत को लेकर गांवों में किसानों को संबोधित करते हुए किसान नेता। फोटो : हरिभूमि

19 मार्च की महापंचायत को लेकर किया सम्पर्क

लोहारू। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आगामी 19 मार्च को स्थानीय एसडीएम कार्यालय के बाहर होने किसानों की महापंचायत और धरने को लेकर भाकियू के पदाधिकारियों और अनेक किसानों ने गांवों का दौरा कर किसानों को महापंचायत का न्यौता दिया। भाकियू के जिला प्रधान मेवाङ्कषसह आर्य, लोहारू ब्लाक प्रधान रवींद्र कस्वां ने जारी प्रेस बयान में बताया कि वर्ष 2023 खरीफ़ कपास फसल के 350 करोड़ के कथित बीमा घोटाले को लेकर 19 मार्च को लोहारू के एसडीएम कार्यालय के सामने सुबह दस बजे किसान महापंचायत कर विरोध धरना प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि खरीफ फसल 2023 कपास बीमा क्लेम में सेटेलाईट फोटो के नाम पर जिला भिवानी में 200 करोड़ रुपये की लूट है तथा अकेले लोहारू विधानसभा क्षेत्र में 184 करोड़ रुपये की लूट की गई है। उन्होंने बताया कि करोड़ों का घोटाला करने वाले वाले अधिकारियों की गिरफ्तारी तथा सीसीई आधार पर क्लेम भुगतान की मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा।

विकास एवं सुविधाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : जयसिंह

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶। भिवानी

जयसिंह वाल्मीकि।

जिले के लिए 52 करोड़ की राशि मंजूर करवाने पर मंत्री श्रुति चौधरी का जताया आभार

भिवानी जिला के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से करीबन 52 करोड़ रूपये की राशि मंजूर करवाई है।

इस महत्वपूर्ण घोषणा के बाद जिला के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी एवं राज्यसभा सांसद किरण चौधरी का आभार जताया है। केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के इस कदम से भिवानी जिला के विकास को गति मिलेगी। यह बात वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने भिवानी जिला के विकास के लिए करीबन 52 करोड़ रूपये की राशि मजूंर करवाने पर उनका आभार जताते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस राशि से जिला के विभिन्न गांवों में सिंचाई परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएगी। जिससे सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। जयसिंह वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार जनता के विकास एवं सुविधाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी द्वारा दी गई यह सौगात जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस पहल से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो होंगी।

तैयारी सोमवारी, मंगलवारी व बुधवारी माता का होगा पूजन

बासौड़ा मेले की व्यवस्थाओं को लेकर सौंपे ज्ञापन, सफाई व सुरक्षा की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶। चरखी दादरी

भिवानी। नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी को ज्ञापन सौंपते श्रीसनातन धर्म प्रचार प्रसार समिति चरखी दादरी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बासौड़ा मेला 17 से 19 मार्च तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें सोमवारी, मंगलवारी और बुधवारी माता का पूजन होता हैं और मेले लगता हैं। श्रीसनातन धर्म प्रचार प्रसार समिति चरखी दादरी के पदाधिकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर विभिन्न आवश्यकताओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।

समिति ने उपायुक्त के पीए महेंद्र शर्मा, एसपी, अतिरिक्त उपायुक्त, नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी, नगर पार्षद सुमन गोयल, नगर पार्षद नवीन प्रजापति, नगर पार्षद विनोद सिंहमार और नगर पार्षद नवीन बिंदल को मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत करवाया। समिति ने पुलिस अधीक्षक से मेले में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने की मांग की, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इसके अलावा नगर परिषद के चेयरमैन बख्शीराम सैनी को सौंपे ज्ञापन में मेले के दौरान सफाई, पानी एवं शौचालय जैसी सुविधाओं की व्यवस्था करने की अपील की। वहीं नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी ने मेले में साफ सफाई व शौचालय की व्यवस्थाओं करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर भगवान परशुराम अखाड़ा न्यास के प्रदेश अध्यक्ष रोहतास शर्मा, श्रीसनातन धर्म प्रचार समिति के सदस्य कर्णसिंह सोनी, संत गाडगेजी सेवादल प्रधान जगन्नाथ धनेटिया, बाबा सुरेंद्र पुरी, रानी लक्ष्मीबाई प्रेरणा ग्रुप की प्रदेश अध्यक्षा प्रियंका प्रजापति, श्यामलाल गोयल आदि उपस्थित रहे। सुरक्षा एवं सुविधाओं के अलावा समिति ने बुद्ध माता के नजदीक स्थित सोनी धर्मशाला को 19 मार्च को होने वाले बुद्ध माता मेले के लिए प्रातः 4 बजे से दोपहर 2 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खोलने की मांग की।

साइकिल यात्रा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

साई व आईएमए ने निकाली फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

भिवानी। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल यात्रा में शामिल लोग। फोटो : हरिभूमि

रविवार को शहर की सड़कों पर अनोखा नजारा देखने को मिला, जब भारतीय खेल प्राधिकरण के भिवानी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षकों, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की भिवानी शाखा के संयुक्त तत्वावधान में फिट इंडिया संडे ऑन साईकिल यात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम भारत सरकार की फिट इंडिया पहल के तहत आयोजित किया, जिसमें आईएमए भिवानी शाखा के नोडल अधिकारी डॉ. नरेश गर्ग एवं डॉ. राज महता ने विशेष तौर पर पहुंचकर साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य कुश्ती प्रशिक्षक हेमंत यादव ने बताया कि फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल यात्रा का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने व व्यायाम के महत्व को समझने के लिए प्रोत्साहित करना था।

साइकिल यात्रा में भारतीय खेल प्राधिकारण प्रशिक्षण केंद्र और आईएमए के सदस्यों सहित क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। साईकिल यात्रा ने शहर के विभिन्न हिस्सों से होती हुई लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना अच्छा व्यायाम है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह अधिक से अधिक साईकिल का प्रयोग करें, इससे हम स्वस्थ रहेंगे और दूसरी तरफ पर्यावरण को भी इससे लाभ होगा।